>

Title : Need to change the name of District Aurangabad in Maharashtra as Sambha Ji Nagar.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद): सभापति जी, आपने मुझे बोलने का समय दिया है, मैं आपके माध्यम से सरकार का और माननीय प्रधानमंत्री जी का भी ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं।

हिन्दुस्तान में औरंगाबाद के नाम के दो जिले हैं। एक मेरा क्षेत्र है और एक बिहार में आपके बाजू में है। हम लोगों ने, जब शिव सेना की सरकार थी, माननीय बालासाहेब ठाकरे जी के नेतृत्व में मनोहर जोशी जी और मुंडे साहब उसके क्रमशः मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री थे। उस समय मैं भी मंत्री था और मेरे क्षेत्र में ही कैबिनेट की मीटिंग हुई थी और वहां एक प्रस्ताव पास हुआ था कि इस शहर का नाम सम्भाजी नगर किया जाये। छत्रपति सम्भाजी महाराज के नाम पर जो शहर है, क्योंकि छत्रपति शिवाजी महाराज के वे सुपुत्र थे और वे ऐसे योद्धा थे कि उन्होंने 126 लड़ाइयां लड़ी थीं और पूरे के पूरे युद्धों में विजय प्राप्त की थी। वे अपराजित थे। छत्रपति सम्भाजी महाराज के नाम से हमारे यहां उनका बहुत बड़ा सुनहरी महल है। वहां उन्होंने अपने अन्तिम क्षण बिताये थे, चार महीने का उनका स्टे था, इसलिए मैं यह कहूंगा कि सारे जिलापरिषद्, पंचायत-समिति, ग्राम-पंचायत, महानगरपालिका ने 1995 में और हमारी सरकार ने भी 1995 में यह मोशन पास किया था कि इस शहर का नाम...(व्यवधान)

सभापति महोदय : वह मोशन सैण्ट्रल गवर्नमेंट के पास आया है?

श्री चंद्रकांत खैरे : हां, हमारी सरकार ने पास किया, फिर उसके बाद में केन्द्र सरकार में आया है।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : वैरी गुड सजेशन।

श्री चंद्रकांत खैरे : मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि हमारे इस जिले को आप सम्भाजी नगर का नाम दें, क्योंकि अभी कई शहरों का नाम और जिलों का नाम बदल रहा है, इसलिए इसका नाम भी बदलना चाहिए, क्योंकि वहां सम्भाजी महाराज जी का यह स्थान था। वे वहां थे और छत्रपति शिवाजी महाराज जी के सुपुत्र थे।

सभापति महोदय : आपका प्वाइंट आ गया है।

श्री चंद्रकांत खैरे : हमारे लेटर्स दूसरे औरंगाबाद में जाते हैं और दूसरे औरंगाबाद के जो लेटर्स होते हैं, वह हमारे पास आ जाते हैं। दो जिलों का नाम एक जैसा रखने की क्या जरूरत है? एक नाम एक ही जिले का रखना चाहिए। इसके लिए प्रधानमंत्री जी कार्रवाई करें। मैं इसके लिए मांग करते हुए अपनी बात को समाप्त करता हूं।